● **पढ़ो और गाओ :**

२. बेटी युग

–आनंद विश्वास

जन्म : जुलाई १९४९, शिकोहाबाद (उ.प्र.) **रचनाएँ :** मिटने वाली रात नहीं, पर कटी पाँखी, देवम, गरमागरम थपेड़े लू के, बहादुर बेटी
परिचय : आनंद विश्वास जी अंधविश्वास और मुश्किलों के ताप से पिघलते जीवन के प्रति विद्रोही स्वर रखने वाले कवि हैं ।

प्रस्तुत कविता के माध्यम से कवि ने बेटियों की शिक्षा, महत्त्व के साथ-साथ उनकी आत्मनिर्भरता, प्रगति को प्रतिपादित किया है ।

अध्ययन कौशल

अपने विद्‌यालय के पाँचवीं से आठवीं तक की कक्षाओं में पढ़ रहे छात्र और छात्राओं की संख्या संयुक्त स्तंभालेख द्‌वारा दर्शाओ ।

गणित सातवीं कक्षा पृ. ५१-५२

नानी वाली कथा-कहानी, अब भी जग में लगे सुहानी ।
बेटी युग के नए दौर की, आओ लिख लें नई कहानी ।

बेटी युग में बेटा-बेटी,
सभी पढ़ेंगे, सभी बढ़ेंगे ।
फौलादी ले नेक इरादे,
खुद अपना इतिहास गढ़ेंगे ।
देश पढ़ेगा, देश बढ़ेगा, दौड़ेगी अब तरुण जवानी ।
नानी वाली कथा-कहानी, अब भी जग में लगे सुहानी ।

बेटा शिक्षित आधी शिक्षा,
दोनों शिक्षित पूरी शिक्षा ।
हमने सोचा, मनन करो तुम,
सोचो-समझो, करो समीक्षा ।
सारा जग शिक्षामय करना, हमने सोचा, मन में ठानी ।
नानी वाली कथा-कहानी, अब भी जग में लगे सुहानी ।

❑ कविता का आदर्श पाठ प्रस्तुत करके विद्यार्थियों से सस्वर पाठ कराएँ । गुट चर्चा एवं प्रश्नोत्तर के माध्यम से कविता में आए प्रमुख भावों को स्पष्ट करें और उनकी सूची बनवाएँ । 'लड़का-लड़की एक समान' विषय पर आठ से दस वाक्य लिखने के लिए प्रेरित करें ।

वाचन जगत से

पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होळकर के कार्य पढ़ो और प्रमुख मुद्दे बताओ ।

अब कोई ना अनपढ़ होगा,
सबके हाथों पुस्तक होगी ।
ज्ञानगंगा की पावन धारा,
सबके आँगन तक पहुँचेगी ।
पुस्तक और कलम की शक्ति, जग जाहिर जानी पहचानी ।
नानी वाली कथा-कहानी, अब भी जग में लगे सुहानी ।

बेटी युग सम्मान पर्व है,
पुण्य पर्व है, ज्ञान पर्व है ।
सब सबका सम्मान करें तो,
जन-जन का उत्थान पर्व है ।
सोने की चिड़िया तब बोले, बेटी युग की हवा सयानी ।
नानी वाली कथा-कहानी, अब भी जग में लगे सुहानी ।

मैंने समझा

शब्द वाटिका

नए शब्द

सुहानी = सुंदर
दौर = काल, समय
नेक = भला, अच्छा
इरादा = संकल्प
कलम = लेखनी
उत्थान = प्रगति
पर्व = त्योहार
सयानी = समझदार

मुहावरा

ठान लेना = निश्चय करना

सुनो तो जरा

त्योहार मनाने के उद्‌देश्य की वैज्ञानिकता सुनो और सुनाओ ।

जरा सोचो .... लिखो

तुम्हें रुपयों से भरा बटुआ मिल जाए तो .....

स्वयं अध्ययन

स्त्री शिक्षा का इनपर क्या प्रभाव पड़ता है, लिखो :

- स्वयं
- परिवार
- समाज
- देश

L3SSI5

विचार मंथन

।। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ ।।

सदैव ध्यान में रखो

स्वयं को बदलो, समाज बदलेगा ।

१. कविता की पंक्तियाँ पूरी करो :

(क) बेटी युग में ----, ---- । ----, ---- गढ़ेंगे ।।

(ख) बेटी युग ----, ---- । ----, ---- उत्थान पर्व है ।

२. जानकारी लिखो :

(च) बेटी पर्व

(छ) शिक्षामय विश्व

भाषा की ओर

निम्नलिखित शब्दों के युग्म शब्द बताओ और वाक्यों में उचित शब्दयुग्म लिखो :

गाँव– ...., ...–उधर, घूमना – ...., धन – ...., ... – पहचान, कूड़ा – ...., ... – फूल, घर – .... ।

धन – **दौलत**

१. अथक परिश्रम से उसने **धन–दौलत** कमाई ।

------ – ------

२. सेहत के लिए -------- अच्छा होता है ।

------ – ------

३. दीपावली में -------- मिठाइयाँ बनती हैं ।

------ – ------

४. अंतरजाल की सुविधा -------- में उपलब्ध है ।

------ – ------

५. बाजार से बहुत सारे -------- खरीदकर लाए ।

------ – ------

६. बच्चों ने मैदान पर फैला -------- इकट्ठा किया ।

------ – ------

७. समारोह में सभी ------- वालों को आमंत्रित किया ।

------ – ------

८. बगीचे में आते ही सभी बच्चे-------- दौड़ने लगे ।